R-16
24

1888830

कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या.........................

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय हिन्दी (अनिवार्य)

परीक्षा का दिन बुधवार

दिनांक 13 मार्च, 2024

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15¼ को 16, 17½ को 18, 19¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांको की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	12	19	5
2	6	20	
3	6	21	
4	6	22	
5	2	23	
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	3	28	
11	3	29	
12	3	30	
13	3	31	
14	3	योग	80
15	4	प्राप्त अंको का कुल योग (Round off)	
16	6	अंकों में	शब्दों में
17	6	80	अस्सी
18	4		

परीक्षक के हस्ताक्षर........सुलिवा........ संकेतांक 25326

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में बोर्ड द्वारा प्रदत्त 58 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 177/2024

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी :–
   - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   - (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   - (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ भी न लिखकर लावें। टेबल के आस–पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

1

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

:- खण्ड - अ :-

1. बहुचयनात्मक प्रश्न - उत्तर

I	II	III	IV	V	VI
ब	अ	द	स	अ	द

VII	VIII	IX	X	XI	XII
स	द	स	ब	~~ब~~ द	स

12

BSER-177/2024

2. रिक्त स्थान पूर्ति-

1 i. ~~EFFICIANCY~~ लिपी

1 ii EFFICIANCY

1 iii लक्षणा शब्द शक्ती

1 iv आर्थी व्यंजना

1 v विरोधाभास अलंकार

1 vi ~~रूपक~~ अनुप्रास अलंकार (छेकानुप्रास)

6

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	3.	अपठित गद्यांश :- उत्तर
1	i	व्यक्ति को अपने जीवन में सफल होने के लिए 'एक उत्तम लक्ष्य' को निश्चित करना चाहिए।
1	ii	'आँख'
1	iii	यदि व्यक्ति पेड़ की 'मूल (जड़)' को सींच तो उसे फल की प्राप्ति होती है।
1	iv	'अपेक्षा'
1	v	गद्य में 'चिड़िया की आँख' से आशय है अपने जीवन में एक उत्तम लक्ष्य का निर्धारण।
1	vi	उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक है - "एक लक्ष्य, जीवन आधार" या "लक्ष्य निर्धा
6		

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	5.	अपठित पद्यांश :- उत्तर
1	i	कवि ने औरों अर्थात् दुनिया के आभावों को मिटाने की बात कही है।
1	ii	जीवन में कवि ने खण्डहर से महल बनाने हेतु 'अदम्य विश्वास' की आवश्यकता पर बल दिया है।
1	iii	अदम्य व्यक्ति को देखकर प्रलय - मेघ भूचाल आदि थमाते है
1	iv	जीवन में सुधार हेतु 'अदम्य विश्वास' का महत्व अधिक बताया है
1	v	कवि ने स्वयं को एक मजदूर मान कर धरती पर स्वर्ग बनाने की बात कही है
1	vi	मेघ
6		

BSER-177-2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

:- खण्ड - द :-

16. उत्तर :-

6

अवतरण - मैं जला .... फिरता हूँ

संदर्भ - प्रस्तुत पद्यांश हमारी हिंदी की पाठ्य पुस्तक आरोह भाग - 2 की कविता 'आत्मपरिचय' से संकलित है जो कवि 'हरिवंश राय बच्चन' द्वारा रचित काव्य संग्रह 'निशा निमंत्रण' से संकलित है

प्रसंग - प्रस्तुत पद्यांश में कवि बताता है कि लोग संसार की दुख विडंबनाओं से मुक्त होना चाहते हैं परंतु वह सुख - दुख दोनों में मस्त रहता है।

व्याख्या - कवि कहता है कि उसके हृदय में प्रेम के भावों ... अपनी भड़क रही है। जिसे लोगों को न बाटने के कारण वह स्वयं ... अब अपनी में जला जा रहा है ... कवि कहता है कि उसकी जिंदगी

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

चाहे सुख हो या दुख वह प्रत्येक परिस्थिति में मस्त रहता है। इस संसार के लोग संसार रूपी सागर को पार करने हेतु स्वार्थ रूपी नाव का सहारा लेते हैं परंतु कवि इस सागर में उमड़ती लहरों पर मस्ती से बहा करता है। कवि बताता है की वह जब जवान था तो अपने अंदर जवानी का नशा लिये फिरता और इस नशे में भी वह अपने अंदर दुखों को लिए फिरता। यह दुख ऐसा है जो उसे बाहर से तो हसाता है पर भीतर ही भीतर रुलाता है। अर्थात कवि आज भी अपनी प्रियतमा की यादों को लिए ~~फिरता~~ फिरता है क्योंकि यौवन काल में ही उसका अपनी प्रियतमा से बिछोह हो गया।

काव्य सौंदर्य

भाव सौंदर्य - • संसार को सागर के समान बताया है।
सुख व दुख दोनों में मस्त रहने का संदेश दिया है।

[P.T.O] =>

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

शिल्प सौंदर्य - भाषा - खड़ी बोली
गुण - माधुर्य
छंद - मुक्तक
अलंकार - अनुप्रास
(करता हूँ ① ---- करता हूँ ②)
रूपक अलंकार
(संसार रूपी सागर)

17. उत्तर :-

6

अवतरण - यह मेरे ———— उठा दिया।

संदर्भ - प्रस्तुत गद्यांश हमारी हिन्दी की पाठ्य पुस्तक आरोह भाग-2 के गद्य भाग के पाठ 'भक्तिन' से संकलित है यह लेखिका 'महादेवी वर्मा' द्वारा रचित एक 'संस्मरणात्मक रेखाचित्र' है। जो की उनके उपन्यास "स्मृति की रेखाएं" से संकलित है।

प्रसंग - प्रस्तुत गद्यांश में लेखिका भक्तिन के गाँव आने के प्रस्ताव को अस्वीकार करने हेतु बहाने बनाती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

व्याख्या - एक बार जब महादेवी वर्मा को भक्तिन ने उन्हें अपने गाँव चलने को कहा तब महादेवी वर्मा ने कहा उनके पास पैसे नहीं है। यह कथन लेखिका ने भक्तिन के प्रस्ताव को विराम देने हेतु कहा। तब भक्तिन ने अपने रहस्य का उद्घाटन किया, वह लेखिका के कानों में चुपके से बोली उसके पास पचास किसी व पचास कपड़े है। इतना तो बहुत होगा थोड़े दिन काम चलाने हेतु। जब सब ठीक हो जायेगा तब यहीं लौट आएँगे। भक्तिन ने लेखिका के इधर-उधर के पैसों को पचास समान अर्थात् इकट्ठा किया जो उसे पर्याप्त लग रहा था। परंतु जब लेखिका ने उससे कहा की इतने से पैसों से कुछ भी नहीं होगा। तो भक्तिन के विश्वास का पर्वत लेखिका के उपहासात्मक रूपी कथन से ढहा कर रख दिया अर्थात खण्डित कर दिया।

विशेष -

भाषा सहज, सरल व सुबोध है।

तत्सम व तद्भव शब्दों का सार्थक प्रयोग हुआ है।

BSER-177-2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

18 उत्तर:- पत्रलेखन

निविदा

4

अक्षय विद्यालय, रामपुर

क्रमांक - 22/107 दिनांक - 13 मार्च 202

सूचना क्रमांक - 22/107, 202

अक्षय विद्यालय रामपुर की ओर से अधोलिखित हस्ताक्षर कर्ता द्वारा निम्न वर्णित सामग्री हेतु मुहर बंद निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं।

प्रपत्र प्राप्ति - 16 मार्च 2025
निविदा देने की अंतिम तिथि - 19 मार्च, 202
निविदा खोलना - 22 मार्च, 2025 प्रात 10:00

क्र.सं	सामग्री विवरण	अनुमानित राशी (लाखों मे)	धरोहर राशी (हजारों में)	निविदा शुल्क (रु)	आपूर्ति अवधि
1.	युनिफोर्म - 2000 विद्यार्थियों हेतु	2.0	20.0	500	9
2.	ड्रम व बैग्स	1.0	10.0	200	9

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

सूचनाएँ - निविदा को निरस्त करने का पूर्ण अधिकार अधोलिखित हस्ताक्षर कर्ता के पास सुरक्षित रहेगा।

वस्तुए मानक स्तर के अनुरूप न होने पर खरीदार राशी जब्त कर ली जाएगी।

समस्त न्यायिक परिवादों का क्षेत्र रामपुर रहेगा।

भवदीय हस्ताक्षर

अध्यक्ष स्काउट समिति
सेक्रेटरी, रामपुर

[P.T.O] =>

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
5	19.	निबंध लेखन

*** बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ ***

रूपरेखा -

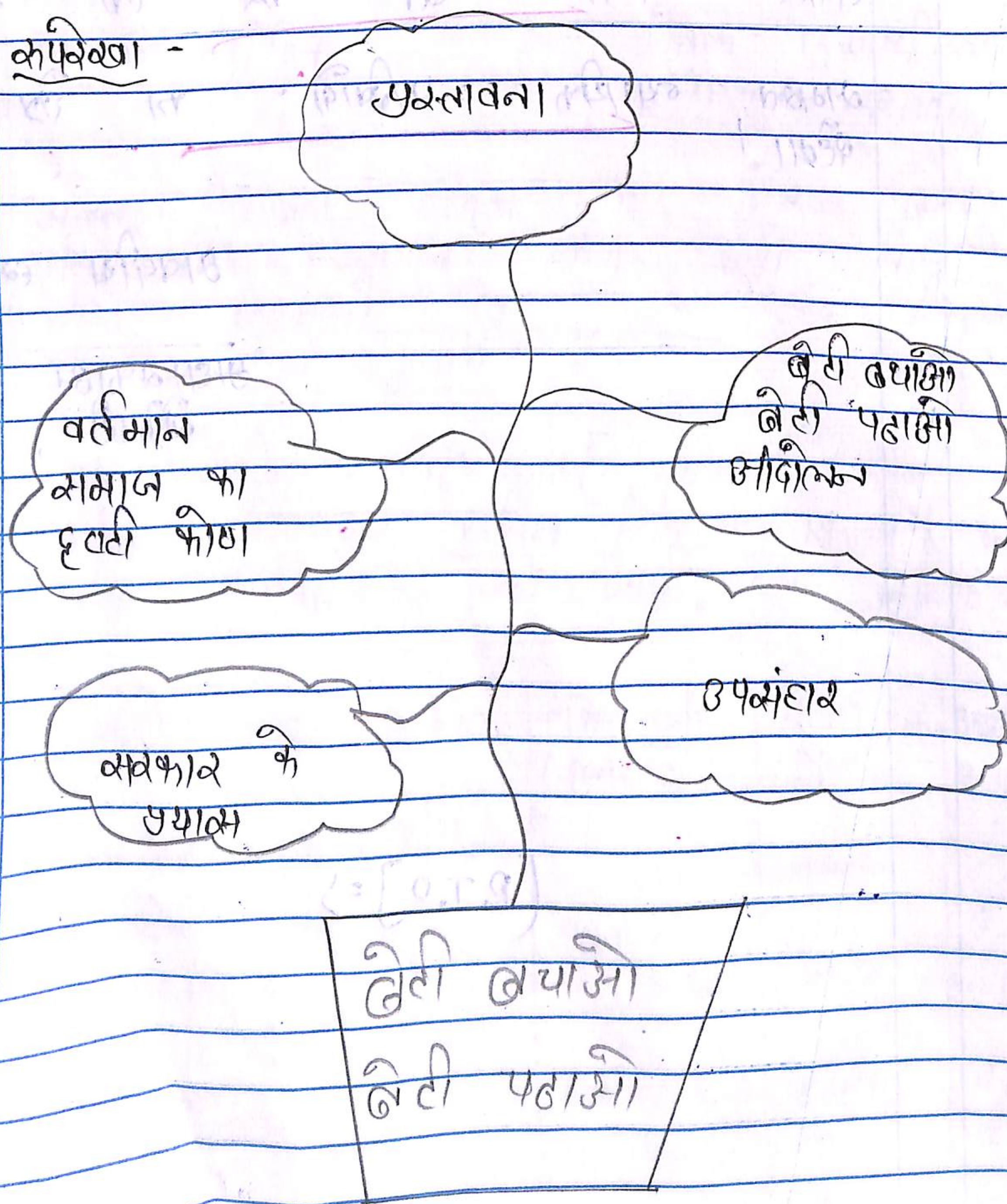

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

1. प्रस्तावना -

नर व नारी दोनो हि विधाता की दो उत्तम रचनाएँ है ये दोनो जीवन रथ के दो पहिए है जिनमे से एक भी निकला तो रथ टूट जाएगा परंतु वर्तमान में यह रथ टूटता दिखाई पड़ता है जिसका कारण लोगो की पिछड़ी सोच है।

2. वर्तमान समाज का दृष्टिकोण :-

भारत एक रूढ़ीवादी देश है जिसकी छवि वर्तमान में भी विद्यमान है वही सोच है प्रचलित वर्तमान में भारत में ऐसे पिछड़े लोग है जहाँ नारी को कुल पर बोझ माना जाता है बेटे को कुल का दीपक व बेटी को कुल का विनाशक माना जाता है। लोग यह भूल जाते है की ये दोनो विधाता ने ही बनाए है तो हम इसमे भेद क्यूँ करे? इसी कारण लोग बेटी को उसकी भ्रूणीय अवस्था में ही मार देते है उसे पढ़ाते लिखाते नहीं। उनका यह दृष्टिकोण है की नारी को

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

तो विवाह के बाद घर संभालना है तो वह पढ़लिखकर क्या करेगी ऐसी सोच को मिटाने हेतु सरकार ने योजनाएं भी चलाई है।

3. बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ आंदोलन -

बेटीयो को पढ़ाने तथा कन्या भ्रूण हत्या को रोकने हेतु भारत सरकार ने 22 जनवरी 2015 को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ आंदोलन की शुरुआत की ताकि वो लोग अपनी बेटीयो को पढ़ा ना पाए उन्हे सरकार छात्रवृती देती है तथा उन्हे मुफ्त में पढ़ाती है।

4. सरकार के प्रयास -

सरकार ने बेटीयो को आगे बढ़ाने हेतु प्रत्येक क्षेत्र में नारीयो हेतु नौकरीयाँ निकाली है ताकि हर अलग लोग जागरूक हो सके। तथा सरकार बेटियो को मुफ्त छात्रवृती तथा उपलब्ध करवा रही है मुफ्त शिक्षा

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उपसंहार -

अगर देश की स्थिति भविष्य में भी यही रही तो भारत देश नारी शिक्षा के आधार से काफी पिछड़ जाएगा। अत: लोगों को जागरूक करना शिक्षित लोगों का कर्तव्य बनता है। क्योंकि -

"यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते
रमन्ते तत्र देवता"

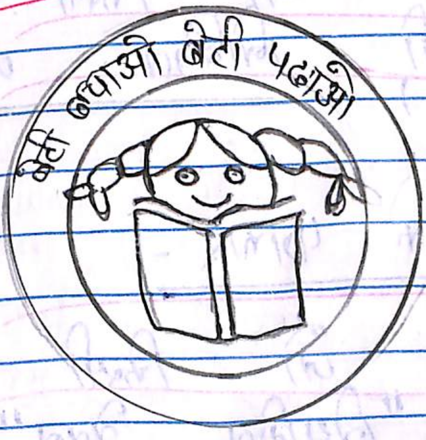

[P.T.O] ⇒

BSER-177 2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

:- खण्ड - ब :-

5. पत्रकार तीन प्रकार के होते है
(1). अंश कालिक पत्रकार
(2). पूर्ण कालिक पत्रकार
(3). फ्री-लांसर पत्रकार

2

1. अंश कालिक पत्रकार :
वे पत्रकार जो किसी समाचार पत्रिका मे किसी निश्चित मानदेय पर कार्य करते हो।

2. पूर्ण कालिक पत्रकार -
वे पत्रकार जो किसी समाचार पत्र में किस एक "नियमित वेतन" के श्रेणी हो वे पत्रकार पूर्ण कालिक पत्रकार कहलाते हैं।

3. फ्री-लांसर पत्रकार -
वे पत्रकार जो किसी समाचार पत्रिका मे काम ना करते हो। वे स्वयं का वकालत कर भुगतान के आधार पर उन्हें भिन्न-भिन्न समाचार पत्रों मे

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		भेजते है।
2	8.	लेखक बताते है की जब संपूर्ण गाँव महामारी के कारण एक भयभीत शिशु की भाँती काँप रहा था तब पहलवान की ढोलक की आवाज में ही वह ताकती होती थी जो लोगो में जीवन का संचार करे। ढोलक का प्रताप लोगो में संजिवनी का कार्य करता। ढोलक की आवाज से ही उनकी रगो मे बिजली दोड जाती।
		उत्तर :-
2	7.	बादल राग कविता में कवि बादलो को शोषक वर्ग का विनाशक तथा वंचितो का सर्जन कर्ता बताते है कवि कहता है की एक पूँजीपती वर्ग के लोगो ने निम्न वर्ग के लोगो का खून चूस लिया है अब तुम ही हो जो बनकी सहायता कर सकते हो सुत बादल अपनी गर्जन के समान हुंकार तथा बिजली की कड़कड़ाहट को सुनाकर एक क्रांति का आह्वान करता है जिससे शोषक वर्ग भयभीत हो जाता है।

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		उत्तर :-
2	8.	सिंधु सभ्यता में कला की सफलता दिखाई देती है जैसे हम निम्न कारणों से स्पष्ट कर सकते है।
	(1).	वहा पर खुदाई मे पत्थरो की मूर्तियाँ मिट्टी के बर्तन आदि मिले।
	(2).	वहा चॉक से निर्मित पिंग आदि तथा पशु-पोलो जानवरो के चित्र मिले।
	(3).	हाथियों से निर्मित खिलौने तथा औजार मिले।
	(4).	याजक नरेश का सिलखडी से निर्मित अद्भुत मुकुट मिला तथा नर्तकी की मूर्ति भी मिली।
	(5).	बौद्धस्तूप तथा महाकुण्ड तो विशाल कलाकृति के बेजोड नमूने है ही।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर :-

2 9. लेखक 'आनंद यादव' अपने दादा (पीता) की दिनचर्या के बारे में निम्न बाते बताते है।

(1). सर्वप्रथम लेखक के दादा खेत में खुद निकालने तथा पानी की कटाई का काम शुरू करवाते।
परंतु मुख्य बात यह है की लेखक के पिता तीतरबाज तथा कामचोर थे।

(2). वे सारा दिन पूरे गाँव में खुले साँड की तरह घूमते तथा रात को घर आते।

(3) वे खेती में रुच नहीं लगाते तथा सारा काम लेखक से करवाते।

(4) हर दिन बाजार में पवारी अविरत रखमाबाई के साथ गुजारते थे।

उन्होंने अपनी मौज मस्ती हेतु लेखक का विद्यालय भी छुड़वा दिया।

BSER-17/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - स

10. उत्तर -

3

प्रस्तुत पंक्ती में कवि विजयदानी "शमशेर सिंह बहादुर" जी बताते हैं की जब आकाश में सूर्योदय हो जाता है तथा उसकी किरण तालाब के जल पर पड़ती है तो तथा जब वह जल हवा के माध्यम से हिलता है तो उन सौर किरणों का प्रतिबिम्ब की चमक देख ऐसा प्रतीत होता है की की की किसी गौरी की देह चमक रहा हो इसलिए कवि सौर किरणों की चमक को गौर देह के समान बता है।

और जब पानी हिल हिलता है तो यह गौर देह खिल खिलाता हुआ प्रतीत होता है।

"इसलिए कवि नील जल में चमकती सूर्य की किरणों की तुलना गौर देह के समान करता है।"

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

11. **उत्तर :-**

3

हमारा भारत देश प्राचीन काल से ही परम्पराओं व धार्मिक आस्थाओं में विश्वास करने वाला देश है। यह विश्वास हमे हमारे पुस्तक के एक "संस्मरण 'काले मेघा पानी दे'" में भी दिखाई देता है जिसमे लोग वर्षा करवाने हेतु इंदर सेना पर जल डालते है ताकी इंद्र देव प्रसन्न हो तथा वर्षा करे यह भी एक प्राचीन लोक मान्यता है की वर्षा के देव इंद्र है और यदि वर्षा चाहिए तो उन्हे खुश रखना पड़ेगा। लेखक की के इस कथन में हमारा विचार यह है की यह एक पूर्णतः अंधविश्वास है भले ही इसके पीछे लोक कल्याण की भावना हो परंतु भगवान को प्रसन्न होने के लिए क्या चाहिए केवल भक्ति तो हम अपने अनुसार हारजाए क्यो बना लेते है।

अतः हमारे अनुसार यह कथन पूर्णतः अंधविश्वास पर आधारित है।

BSER-177-2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
3	12.	उत्तर :-

लेखक "आनंद यादव" को बचपन से कवि लोगों से अलग ही लगाव था। इसलिए वह भी एक कवि बनना चाहता था। वह अपनी विद्यालय के मराठी मास्टर सौंदलगेकर के पास गया। उन्होंने उसे लय व ताल का ज्ञान सिखाया। छंदों की जाति पहचानना सिखाया। जिससे लेखक का कविता में आत्मविश्वास बढ़ा। एक बार जब लेखक की कविता गाने पर मास्टर ने तारीफ की तो उसका आत्मविश्वास और प्रबल हुआ फिर वह भैंस चराते, फसलों को पानी डालते कविता बोलता, गाता व तुकबंदी बैठाता जिससे उसके आत्मविश्वास को और बढ़ाया वह मास्टर से भी अधिक अच्छे तरीके से कविता गाने लगा तथा एक दिन होकर एक प्रसिद्ध लेखक बना। लेखक की रूचि तथा लगन ने उसे एक प्रसिद्ध साहित्यकार बना दिया।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
3	13.	उत्तर:-

"आधुनिक किस्म के अजनबी लोगों को देखकर यशोधर बाबू अंधेरे में ही दुबके रहे" यह कथन में वर्तमान समय में तरिये पर लटके जा रहे मानव मूल्यों की स्थिति के बारे में बताता है क्योंकि पाठ में 'सिल्वर वेडिंग' में हम देखते है की यशोधर बाबू एक कहीवती व्यक्ती थे। जो आधुनिकता से भिन्न थे। वही उनकी और उनका सम्पूर्ण परिवार आधुनिकता के रंग में डूबा हुआ था। जिस कारण। यशोधर बाबू को अपने ही घरवालो से उपेक्षा अपनी पत्नी जिसमे सबसे मत। गलत बर्ताव उनके बच्चो का था। क्योंकि वे यशोधर बाबू का कहना नहीं मानते। जिसका मुख्य कारण है "पिढी अंतराल"। जो आज के युग की विशेष समस्या है। वर्तमान युग अपने संस्कार व मानव मूल्यो को भूल गया है तथा अपने ही माँ बाप की उपेक्षा कर कर रहा है। जिसे रोकने हेतु नई पिढी को संस्कारो का भी अपना चाहिए ताकी दोनों पिढी से सामंजस्य बना रहे।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

15. उत्तर :- परिचय (लेखक)

4

* फणीश्वर नाथ रेणु *

जन्म - 1921, बिहार
मृत्यु 1977, पटना

- ये एक प्रसिद्ध 'आँचलिक उपन्यास' कार' के रूप में विख्यात है।

- सन् 1954 में इनका बहुचर्चित उपन्यास मैला आँचल प्रकाशित हुआ।

- ये साहित्य जगत के अलावा सामाजिक तथा राजनितिक आंदोलन में भी सक्रिय रूप से भागीदार रहे।

- उन्होंने हिन्दी उपन्यास को एक नई दिशा दी।

- उनकी यह भागीदारी एक ओर देश के निर्माण तो दूसरी ओर साहित्य को नई दिशा देने में सहायक रही।

- उन्होंने अपनी रचनाओं में ग्रामीण लोक-कला व भाषा-संस्कृति को केंद्र में लाकर रखा किया।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

रचनाएँ - मैला आँचल
ठुमरी, अग्निखोर
परती परिकथा, दीर्घतपा, कितने चौराहे, जुलूस...

रचनाएँ - मैला आँचल
ठुमरी, अग्निखोर
मृगजल, हलजल, वनतुलसी की गंध

3

14. उत्तर :-

खेल क्षेत्र में लिखने वाले पत्रकारो को निम्न बातों का ध्यान या जानकारी होनी चाहिए।

1. उस खेल से संबंधित नियमो की जानकारी हो।

2. खेल में प्रयुक्त होने वाले तकनिकी शब्दो का उसे ज्ञान हो।

3. खेल के इतिहास से उसका लेकर उसका वर्तमान तक सब कुछ पता हो

4. समाचार लिखन में उस खेल से संबंधित संबंधित योजनाओ जो सरकार ने चलाई भी पिनियो को प्रोत्साहन देने हेतु चलाई है उनका ज्ञान हो ताकी जनता तक समाचार संक्षिप्त में पहुच सके।

[P.T.O] =>

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	5.	खेल के मैच के परिणामों का ज्ञान हो।
	6.	खेल से संबंधित प्रसिद्ध खिलाड़ी के बारे में भी सभी आवश्यक जानकारी का ज्ञान हो।

योग 80/80 अस्सी

✗ कार्य समाप्त ✗

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177 2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177 2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		(रफ कार्य)
		EFFICIANCY
		Efficiancy

BSER-177/2024